अनुसूची 21–फारम सं0–113

संपत्ति अवभार प्रमाण–पत्र

उपलब्ध एवं तैयार रेकर्ड इन्डेक्स –II के आधार पर

प्रमाण–पत्र संख्या .... 20 ...... आवेदन सं0 .... 2599 20 19

चूंकि श्री Naresh Mahto ....

ने मेरे पास आवेदन दिया है कि निम्नांकित संपति के संबंध में निबंधित संव्यवहारों और अवभारों का सवियरण प्रमाण–पत्र दिया जाये। (आवेदन में दिये गये तथ्य के अनुसार विवरण दें।)

इसलिये मैं इसके द्वारा प्रमाणित करता हूँ कि उक्त संपत्ति को प्रमाणित करने वाले संव्यवहारों और अवभारों के बारे में बही में और उससे सम्बद्ध अनुक्रमणियों में ता0 01-01-2006 से ता0 30-01-2014 तक तलाशी की गयी और ऐसी तलाशी के बाद निम्न संव्यवहारों और अवभारों का पता चला .... चला है अतः अवभार मुक्त ....

क्र0सं0	(क) संपत्ति का विवरण	निष्पादन की तारिख	(ख) दस्तावेज का प्रकार और मूल्य	पक्षों के नाम		दस्तावेज की प्रविष्टि के प्र0 निर्देश		
				निष्पादक	दावेदार	जिल्द	वर्ष	पृष्ठ
1	2	3	4	5	6	7	8	9
	Mauza —	Khemni Chak						
	P.S. —							
	Thana No —	112						
	Khata No —	56						
	Plot No —	144						
	Tauzi No —	Govt of Bihar.						
	Area —	9527						

Scanned by CamScanner

1. दस्तावेज के अनुसार विवरण दर्ज करें ।

2. बंधक–पत्र की दिशा ब्याज की कर और भुगतान की अवधि दर्ज करें । बशर्ते की उनके बारे में उल्लेख हो।

3. पट्टे की दशा में पट्टे की अवधि और वार्षिक लगान दर्ज करें ।

मै यह प्रमाणित करता हूँ कि उपयुर्क्त संव्यवहारों और अवभारों को छोड़ उक्त संपत्ति को प्रगाणित करने वाले किसी अन्य संव्यवहार और अवभार का पता नहीं चला है।

निम्न व्यक्ति ने तलासी की प्रमाण–पत्र तैयार किया :

(हस्ताक्षर): M. Hussain

(पदनाम): LDC

तलासी का सत्यापन और प्रमाण की जाँच निम्न व्यक्ति ने की :

(हस्ताक्षर):

(पदनाम): UDC

कार्यालयः Patna

तारीखः

मुद्रक एवं निबंधन पदाधिकारी का हस्ताक्षर
22/04/19

टिप्पणी :– इस प्रमाण–पत्र में जो संव्यवहार और अवभार दिखाये गये है वे आवेदन द्वारा प्रस्तुति संपत्ति के अनुसार पाये गये है। यदि आवेदक द्वारा किये गये विवरण से भिन्न विवरण देकर किन्हीं किन्हीं संपत्तियों को निबंधित दस्तावेजों में दिखया गया हो तो वैसी दस्तावेजों से प्रमाणित संव्यवहार (ट्रान्जेकशनस) इस प्रमाण–पत्र में शामिल न किये जायेगें।

2. निबंधन अधिनियग की धारा–57 के अधीन जो व्यक्ति (बाहयों) और अनुक्रमाणियों (इन्डेन्स) की प्रवष्टियाँ देखना चाहते हों अथवा उनकी प्रतिलिपि लेना चाहते हों जिन्हें निर्दिष्ट संपत्तियों के अवभारों के प्रमाण–पत्रों की जरूरत हो उन्हें तलासी स्वंय करनी होगी। विहित फीस का भुगतान करने पर वहियाँ और अनुक्रमणियाँ उनके पास सामने रखदी जायेगी।

(क) किन्तु चूँकि वर्त्तमान मामले में आवेदक ने स्वंय तलासी नहीं की है, इसलिये कार्यालय अपेक्षित तलासी प्रमाण की किसी भूल के लिए किसी भी तरह जिम्मेवार नहीं होगा।

(ख) और चूँकि वर्त्तगान मामले में आवेदक ने अपेक्षित तलासी स्वयं की है, और चूँकि उसके बाद ढूँढे गये संव्यवहारों और अवभारों को सत्यापन के बाद प्रामण–पत्र में दिया है, इसलिए विभाग आवेदक द्वारा ढूँढे गये ऐसे संव्यवहारों और अवभारों की छूट के लिए किसी तरह जिम्मेदार न होगा जिससे उक्त संपत्ति पर प्रभाव पड़ता हो।

कार्यालय, अवर निबंधक

ज्ञाप संख्या 2752 दिनांक 22/04/19

आवेदक श्री Naresh Mahto

का ऋणभार प्रमाण–पत्र द्वारा Manager, LIC Housing Finance Ltd, Patna

का उनके पत्र संख्या .... दिनांक 05/04/2019 के प्रसंग में अग्रसारित की जाती है।

निबंधन पदाधिकारी,

Patna
22/04/19

Scanned by CamScanner

अनुसूची 21– प्रपत्र संख्या – 1131

संपत्ति अवभार प्रमाण-पत्र

प्रमाण-पत्र सं० 866 .... 19 । आवेदन सं० 19

चूंकि श्री [illegible] ने मेरे पास आवेदन किया है कि निम्नलिखित [illegible] संपत्ति के सम्बन्ध में निबन्धित संव्यवहारों और अवभारों का सविवरण प्रमाण-पत्र दिया जाये।

(आवेदन में दिये गये तथ्य के अनुसार विवरण दें)

इसलिए मैं इसके द्वारा प्रमाणित करता हूँ कि उक्त संपत्ति को प्रभावित करने वाले संव्यवहारों और अवभारों के बारे में बही । में और उससे सम्बद्ध अनुक्रमणियों में ता० 31.01.14 19 से ता० up dated तक तलाशी की गई और ऐसी तलाशी के बाद निम्न संव्यवहारों और अवभारों का पता चला है :–

अभाव मुक्त

क्रम संख्या	(क) संपत्ति का विवरण	निष्पादन की तारीख	(ख) दस्तावेज का प्रकार और मूल्य	पक्षों के नाम		दस्तावेज की प्रति के प्रति विदेन			
				निष्पादक	दावेदार	जिल्द सं०	वर्ष	पृष्ठ	
1	2	3	4	5	6	7	8	9	
मौजा -	खेमनी चक		तौजी	खाता	प्लॉट	सर्वे प्लॉट नं०			रकबा
थाना -	—		किस्म	56	144	144			9527 sqft.
थाना नं०	112		सरकार						
जिला	पटना								

(क) दस्तावेज के अनुसार विवरण दर्ज करें।

(ख) 1. बंधक-पत्र की दशा में ब्याज की दर और भुगतान की अवधि दर्ज करें। बशर्ते कि इनके बारे में ....

2. पट्टे की दशा में पट्टे की अवधि और वार्षिक लगान दर्ज करें।

Scanned by CamScanner

मैं यह भी प्रमाणित करता हूँ कि उपर्युक्त संव्यवहार और अभारों को छोड़, उक्त सम्पत्ति को प्रभावित करने वाले किसी अन्य सव्यवहार और अभार का पता नहीं चला है।

निम्न व्यक्ति ने तलाशी की और प्रमाण-पत्र तैयार किया -

(हस्ताक्षर) - [signature] 5/4/19

(पदनाम) -

तलाशी का सत्यापन और प्रमाण-पत्र की जाँच निम्न व्यक्तियों ने की

(हस्ताक्षर) - [signature] 5.4.19

(पदनाम) -

कार्यालय अवर निबंधक, फुलवारी शरीफ, पटना

तारीख -

मुहर।

अवर निबंधन कार्यालय

निबंधन पदाधिकारी का हस्ताक्षर

[signature] अवर निबंधक फुलवारी शरीफ पटना 5/4/19

टिप्पणी - इस प्रमाण-पत्र में जो संव्यवहार और अभार दिखाये गये है वे आवेदक द्वारा यथा प्रस्तुत संपत्ति विवरण के अनुसार पाये गये हैं; यदि आवेदक द्वारा दिये गये विवरण से भिन्न विवरण देकर किन्हीं इन्हीं संपत्तियों को निबन्धित दस्तावेजों में दिखाया गया हो तो वैसे दस्तावेजों से प्रभावित सव्यवहार (ट्रान्जेक्शन्स) इस प्रमाण-पत्र में शामिल न किये जायेंगे।

(2) निबन्धन अधिनियम की धारा 57 के अधीन जो व्यक्ति बहियों और अनुक्रमणियों (इन्डेक्स) की प्रविष्टियाँ देखना चाहते हों अथवा जो उनकी प्रतिलिपि लेना चाहते हों अथवा जिन्हें विनिर्दिष्ट संपत्तियों के अभारों के प्रमाण-पत्रों की जरूरत हो उन्हें तलाशी स्वयं करनी होगी। विहित फीस का भुगतान करने पर बहियाँ और अनुक्रमणियाँ उनके सामने रख दी जायगी।

(3) किन्तु चूंकि वर्तमान मामले में आवेदक ने स्वयं तलाशी नहीं की है, इसलिए कार्यालय ने अपेक्षित तलाशी अपने भरसक सावधानी से की है। फिर भी, विभाग प्रमाण-पत्र में दिये गये तलाशी के परिणाम की किसी भूल के लिए किसी भी तरह जिम्मेवार नहीं होगा।

(4) ✓ और चूंकि वर्तमान मामले में आवेदक ने अपेक्षित तलाशी स्वयं की है और चूंकि उसके द्वारा ... गए सव्यवहार और अभारों को सत्यापन के बाद प्रमाण-पत्र में दिया गया है। इसलिए ... आवेदक द्वारा न ढूंढे गये ऐसे संव्यवहारों और अभारों को छूट के लिए किसी भी तरह जिम्मेवार न होगा जिससे उक्त सम्पत्ति पर प्रभाव पड़ता हो।

क्रमांक 866 दिनांक 5/5/19

प्रतिलिपि :- शाखा प्रबंधक L.I.C Housing Finance Ltd Fraser Road Patna

[signature] अवर निबंधक फुलवारी शरीफ पटना 5/4/19

Scanned by CamScanner